26 फरवरी 2021

मेघालय और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के स्थानीय निकायों के लिए आयोजित 'पहुंच और परिचय कार्यक्रम'

- पूर्वोत्तर भारत के मेघालय के आकर्षक नगर शिलांग में उत्तर-पूर्वी राज्यों के स्थानीय निकायों के लिए प्राइड द्वारा आयोजित इस **'आउटरीच कार्यक्रम'** में सम्मिलित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

- प्राइड North-East के राज्यों के संसद सदस्यों और विधान सभा सदस्यों, राज्य सरकारों तथा राज्य विधानमंडल सचिवालय के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।

- आज यहां हमारे साथ इस कार्यक्रम में मेघालय की Autonomous District Council (ADC) के सदस्यों के साथ-साथ North-Eastern राज्यों के Local Autonomous Bodies के प्रतिनिधि तथा पूर्वोत्तर भारत के पंचायत प्रतिनिधि भी जुड़े हैं। मैं आप सबका स्वागत करता हूँ।

- North-East भारत अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और आतिथ्य (hospitality) के लिए पूरे संसार में जाना जाता है।

- मेघालय विश्व में सबसे अधिक बारिश होने वाले स्थान के साथ-साथ फुटबाल के लिए भी जाना जाता है। शिलांग लाजौंग फुटबाल क्लब ने कई युवा खिलाडियों को पनपने का मौका दिया है जो आज पूरे देश में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

- **आज यहां हम Autonomous District Councils और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पंचायती राज संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के विषय पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए हैं।**

- पिछले महीने देहरादून में मैंने **पंचायती राज संस्थाओं** के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के दौरान आग्रह किया था कि उनकी functioning इस प्रकार की होनी चाहिए कि कार्यपालिका की जवाबदेही को स्थानीय स्तर पर भी सुनिश्चित किया जा सके।

- **साथियो, आज के कार्यक्रम का विषय 'पंचायती राज व्यवस्था/Autonomous District Council: विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का सशक्तिकरण' है जो बहुत ही सामयिक एवं प्रासंगिक है।**

- देश के हर क्षेत्र को विकास का अधिकतम अवसर मिले, इसके लिए हमारे संविधान में विशेष उपबंध किए गए हैं। उत्तर पूर्व भारत भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट है जिसे ध्यान में रखते हुए संविधान में छठी अनूसूची में इन राज्यों के लिए Autonomous District Council जैसे विशेष प्रावधान किए गए हैं।

- **इन परिषदों के गठन का उद्देश्य North East के जनजातीय समुदायों के अधिकारों का संरक्षण, निर्णय प्रक्रिया में उनको समान अधिकार देना तथा यह सुनिश्चित करना है कि उनका प्रशासन उनकी ही परम्पराओं के आधार पर चले।**

- ADC एक मिनी विधायिका के रूप में कार्य करती है, इसलिए आपके द्वारा की गई चर्चाओं एवं संवाद का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। आप जनता के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि हैं, इसलिए आपका हर कार्य जनता को केन्द्र में रखकर होना चाहिए। इसके लिए आपको बेहतर **सिस्टम और प्रोसिजर डेवलप** करना होगा।
- स्थानीय विकास में ADC की अहम भूमिका है। उनके सदस्यों को अपने क्षेत्र के strength (स्ट्रेंथ) की पूरी जानकारी है जिसका उपयोग वहां के आर्थिक **और सामाजिक** विकास में किया जा सकता है। केंद्र सरकार भी Vocal for Local के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को एक boost देना चाहती है।
- Act East Policy ने North-East के विकास के लिए बहुत सारी संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। आपको नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा।
- स्थानीय स्वशासन, लोकतन्त्र और विकास, दोनों का प्रतीक है। यह लोकतन्त्र के decentralisation के लिए एक framework देता है।
- यह सबसे निचले स्तर पर लोकतन्त्र को मजबूत बनाता है जिसके माध्यम से नागरिकों को अपने क्षेत्र के Local Self Government में भागीदार बनने का अवसर प्राप्त होता है।
- **इसका सबसे अच्छा उदाहरण ईस्ट ख़ासी हिल्स का मॉलिन्नोंग गाँव है जो भारत के सबसे स्वच्छ गाँव के रूप में जाना जाता है। यह Local Bodies के प्रयासों के कारण ही संभव हुआ है।**
- हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। वे ग्रामीण स्व-शासन और ग्रामोदय से राष्ट्र उदय में विश्वास करते थे। उनका मानना था कि प्रत्येक ग्राम को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
- **इसी आत्मनिर्भरता को आज राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए सरकार द्वारा नीतियां और योजनाएं बनाई जा रही हैं। परन्तु आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी हो सकता है, जब हम 'लोकल के लिए वोकल' हों।**
- **यहां के गाँव उत्कृष्ट हस्तशिल्प, वास्तुकला तथा अन्य कला माध्यमों के आधार पर आत्मनिर्भरता एवं विकास का एक नया मॉडल तैयार करने में सक्षम हैं जिसमे जनता द्वारा चुनी हुई Local Bodies सहायता कर सकती हैं।**
- Local Government को आज की आवश्यकता के अनुरूप बनाने के लिए कई नवाचार किये जा रहे हैं। सूचना और संचार तकनीक (ICT) के माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग भी किया जा रहा है।

- ई-पंचायत की शुरूआत की गयी है, जिससे Local Self Government के कार्यों में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। **मेरा सुझाव है कि ADC एवं पंचायती राज संस्थाएं अपने कार्यों में ICT के साधनों तथा डिजिटल नवाचारों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनता के लिए Accessible बनाया जा सके।**

- साथियो, हमारे देश का हर क्षेत्र अपने भीतर एक विविधता और विशिष्टता समेटे हुए है। हर क्षेत्र की अपनी आवश्यकताएं हैं, जिसके बारे में वहाँ के लोग बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उनके लिए समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।
- आपको ध्यान रखना होगा कि District Councils और पंचायती राज संस्थाएं समावेशी विकास की अवधारणा के साथ विकास कार्यक्रमों के संबंध में सहयोग और सामूहिकता की भावना से चर्चा करे तथा जनता की समस्याओं का समाधान जनता को केन्द्र में रखकर निकालें।
- **लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि विकास का लाभ समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।**
- **आपका system भले ही अलग है परंतु उद्देश्य यहां भी जनता की सेवा और उनका कल्याण ही है। लोकतंत्र के सशक्तीकरण के लिए Regional Aspiration के साथ-साथ National Integration भी आवश्यक है। हमारे हर प्रयास का केन्द्र राष्ट्रहित हो, देश की प्रत्येक जनता का हित हो।**
- **देश में चाहे पंचायती राज संस्थाएं हों या Autonomous District Council हों, सभी संस्थाओं का उद्देश्य लोकतांत्रिक चर्चा एवं संवाद के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान निकालना है। इसके लिए आपसी विचार-विमर्श, संवाद का एक सिस्टम डेवलप करने, एक दूसरे के बेस्ट प्रैक्टिसेज को आपस में साझा किए जाने की जरूरत है।**
- **हमारे देश में कई गाँव हैं, ग्राम पंचायतें हैं जिन्होंने अपनी विशिष्ट भौगोलिक तथा सामाजिक, आर्थिक स्थिति के अनुसार सर्वांगीण विकास के लिए आदर्श सामाजिक, आर्थिक मॉडल तैयार किये हैं और best practices बनाये हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि देश की सभी पंचायतें और Local Bodies एक दूसरे के साथ अपने ज्ञान, अनुभवों एवं best practices को साझा करने के लिए एक देशव्यापी system बनाएं।**
- **हमारे बहुत से Local Bodies हैं जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, Organic Farming और रोजगार जैसे क्षेत्रों में बहुत अच्छा कार्य किया है, एक नया मॉडल डेवलप किया है।**
- **इन Models को भिन्न-भिन्न भौगोलिक स्थितियों के अनुसार ढाल कर कैसे और बेहतर बनाया जा सकता है, इसके बारे में भी आपसी संवाद और चर्चा की जरूरत है।**
- **लोकतंत्र में रचनात्मक चर्चा और संवाद के माध्यम से ही समाधान निकलते हैं। मेरे यहां आने का उद्देश्य इसी चर्चा और संवाद की प्रक्रिया को मजबूत करना है।**
- मेघालय अपने living root bridge के लिए जाना जाता है। आप सबको भी अपनी जनता और कार्यपालिका के बीच एक सेतु का कार्य करना होगा ताकि कार्यपालिका तक जनता की समस्याएं प्रभावी रूप से पहुचायी जा सकें और कार्यपालिका जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करे। तभी आप सच्चे अर्थों में जनता की सेवा कर सकते हैं।
- सामूहिकता की भावना ही हमारी वास्तविक शक्ति है। आपने देखा कि कोरोना के संकट का हमने एक होकर मुकाबला किया। जब तक हम एक हैं, तब तक हम किसी भी समस्या पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्र तभी मजबूत है, जब हम एकता के साथ और मजबूती से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

- संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। हमारा लक्ष्य है कि देश की सभी पंचायती राज संस्थाओं और अन्य Local Bodies के लिए व्यापक चर्चा के बाद एक Standard Operating Procedure (SOP) तैयार किया जाये। हम सबकी जिम्मेदारी है कि लोकतंत्र को सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
- अंत में, मैं आप सबको यहां कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि यह कार्यक्रम आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। मैं आपसे यह भी अनुरोध करूँगा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आप अपने विचारों को साझा करें।
- मैं आपको आश्वासन देता हूं कि हम आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे तथा आपको हर प्रकार का सहयोग प्रदान करेंगे।
- आप सबको नव वर्ष की शुभकामनाएं।